

आलसी अपनी दृष्टि में

उन सात जनों से भी अधिक बुद्धिमान है जो बुद्धि से उत्तर दे सकते हैं -- नीतिवचन 26:16

टेड हिल्डेब्रांट और चैटगुट द्वारा एक कहावत की कहानी

एम्बरवेल की धूप से झुलसी पहाड़ियों में, जहाँ सुनहरे आसमान के नीचे खेत पकते थे और किसान भोर के साथ उठते थे, स्लीपी जो ब्रैम नाम का एक आदमी रहता था। वह घाटी में अपनी मेहनत या काम के प्रति नैतिकता के लिए नहीं, बल्कि अपनी निरंतर नींद और शब्दों के लिए जाना जाता था - अंतहीन, घमंड भरे शब्द।

स्लीपी जो एक आलसी था और उसे इस बात पर गर्व था। जब दूसरे लोग अपनी पीठ झुकाकर पौधे लगाने, निराई करने और कटाई करने में लगे थे, स्लीपी जो अपने आलस्य में मगन था, एक स्टंप पर बैठा हुआ दूसरों को काम करते हुए देख रहा था, और हर उस बदकिस्मत व्यक्ति को समझा रहा था जो उसके पास से गुज़र रहा था कि उसका आलसी तरीका सबसे अच्छा है।

"तुम अपनी ताकत बरबाद कर रहे हो," वह शराब चखने की तरह अपने प्याले को राजसी ढंग से लहराते हुए कहता। "प्रकृति जानती है कि वह क्या कर रही है। अगर धरती गेहूं उगाना चाहती है, तो वह उगाएगी। अगर नहीं, तो मैं मिट्टी खोदकर अपनी कमर क्यों तोड़ूँ?"

गांव वालों ने आँखें घुमाईं, लेकिन शायद ही कभी बहस की। यह व्यर्थ था क्योंकि युवा आलसी के पास हर चीज़ का जवाब था, खासकर उन चीज़ों का जिनके बारे में उसे कुछ भी पता नहीं था। वह किसी भी विरोधी दृष्टिकोण को गुमराह बताकर बेपरवाही और अहंकार से खारिज कर देता था।

एक साल, सूखा पड़ा। नदी सिकुड़कर एक रिबन की तरह रह गई, और मिट्टी पुराने कंक्रीट की तरह फट गई। किसान पुराने गूलर के पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए और चर्चा की कि क्या किया जा सकता है। बिल और उनमें से सात सबसे बुद्धिमान - वृद्ध, अनुभवी और शांत बुद्धि से भरे - ने योजनाएँ साझा कीं: गहरे कुएँ खोदना, धारा को बांधना, और सिंचाई की नालियों को फिर से खोदना।

जब वे बात कर रहे थे, स्लीपी जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा। "तुम लोग स्पष्ट बातों को अनदेखा कर रहे हो," उसने उन्हें डांटा। "घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। सूखा बीत जाता है। बस इंतज़ार करो। बारिश वापस आएगी, जैसा कि हमेशा होता है। ज़मीन को आराम करने दो। मैं यही करने जा रहा हूँ। एक हारते हुए मौसम पर इतनी सारी ऊर्जा क्यों बर्बाद करनी है?" शहर के आलसी ने अहंकारी ढंग से बयानबाजी करते हुए पूछा।

बिल नामक एक बुजुर्ग ने अपने नोट्स से ऊपर देखा। "और अगर बारिश नहीं हुई तो तुम क्या खाओगे?" इस बीच, शहर के लोगों ने अथक परिश्रम के साथ सिंचाई के लिए बनी नालियों को फिर से खोदा और अपने कुओं को और गहरा किया।

स्लीपी जो ने बेबाकी से शेखी बघारी। "ज़मीन देती है। हमेशा देती रही है। मेरा बगीचा बढ़िया रहेगा।"

लेकिन उसका बगीचा ठीक नहीं था। गर्मियों के मध्य तक, उसकी फसलें सूख चुकी थीं। उसका भोजन भंडार बस सूख गया था। और जब उसने आस-पास के खेतों को देखा, तो वह असहज हो गया। जबकि उसका बगीचा सूखा और भूरा था, उसके पड़ोसियों के खेत छोटे थे, लेकिन फिर भी हरे थे। उनकी सिंचाई की खाइयाँ धूप में हल्की चमक रही थीं।

नम्र होकर स्लीपी जो गूलर के पेड़ के पास कुएँ के पास गया। वहाँ बिल ने उसे पानी पिलाया और उसकी आँखों में कोई आलोचना नहीं देखी, केवल पेड़ के पास कुएँ को गहरा करने के काम के बाद की थकान थी।

उन्होंने सरलता से कहा, "हमने योजना बनाई और उस पर काम किया।" "हमने चमत्कार का इंतजार नहीं किया और न ही बेकार की बातों पर भरोसा किया।"

उस सर्दी में स्लीपी जो उन लोगों के दान पर जी रहा था जिनका उसने मज़ाक उड़ाया था। वह कम बोलता था, ज़्यादा सुनता था। और जब वसंत आया, सूर्योदय के समय, वह सबसे पहले खेतों में जाता था, हाथ में रेक और फावड़ा लेकर।

शहर के लोगों को, बेशक याद था - वे हमेशा याद करते थे - लेकिन फिर भी उन्होंने उसका स्वागत किया। क्योंकि एम्बरवेल एक ऐसी जगह थी जहाँ ज्ञान को महत्व दिया जाता था, और ज्ञान कभी-कभी सब कुछ जानने के दावों से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत के बाद अच्छी योजनाओं से आता है।

अतः, स्लीपी जो ने अंततः पुरानी कहावत सीख ली: आलसी अपनी दृष्टि में उन सात मनुष्यों से भी अधिक बुद्धिमान है जो बुद्धि से उत्तर देते हैं -- नीतिवचन 26:16.